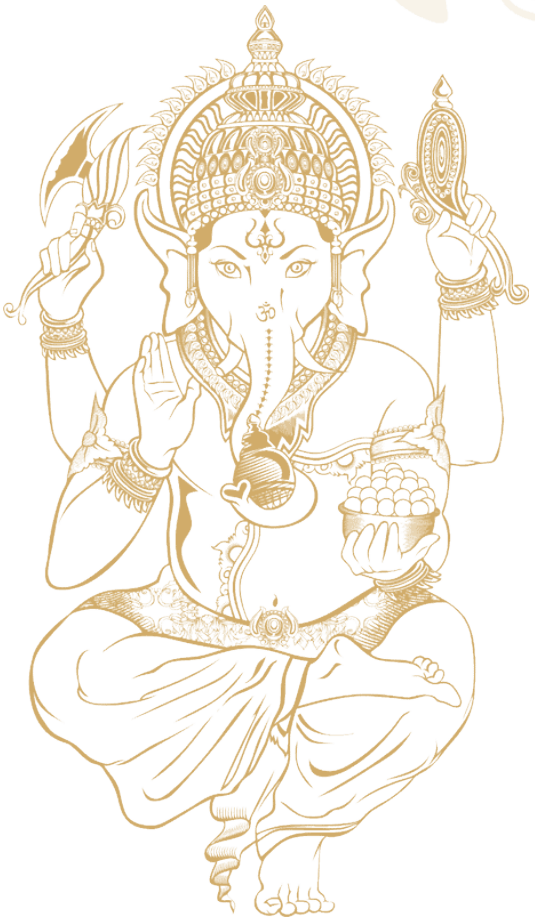

Neeraj Gupta

02 Apr 1972

03:30 AM

Hamirpur

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121584607

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/04/1972	जन्म तिथि	**2-03/04/2026**
शनि-रविवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 03:30:00	जन्म समय	00:00:45 घंटे
घटी 53:42:12	जन्म समय(घटी)	45:01:30 घटी
India	देश	India
Hamirpur	स्थान	Hamirpur
उत्तर 25:57:00	अक्षांश	25:57:00 उत्तर
पूर्व 80:08:00	रेखांश	80:08:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:09:28	स्थानिक संस्कार	-00:09:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:07	सूर्योदय	06:00:09
18:26:02	सूर्यास्त	18:26:28
23:28:24	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:32

मकर	लग्न	धनु
शनि	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
तुला	राशि	कन्या
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
विशाखा	नक्षत्र	चित्रा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	मंगल
1	चरण	1
वज्र	योग	व्याघात
विष्टि	करण	कौलव
ती-तीरथ	जन्म नामाक्षर	पे-पैनी
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	व्याघ्र
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	मूषक
54	गत/तत्कालिक वर्ष	55

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
धनिष्ठा	2	27:21:43	मक			लग्न			धनु	02:49:02	1	मूल
रेवती	1	18:47:52	मीन			सूर्य			मीन	18:47:52	1	रेवती
विशाखा	1	22:27:19	तुला			चंद्र			कन्या	26:38:55	1	चित्रा
रोहिणी	1	10:15:52	वृष			मंगल		अ	मीन	00:16:39	4	पू०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	4	16:13:26	मीन	व	अ	बुध			कुंभ	21:03:06	1	पू०भाद्रपद
पूर्वाषाढ़ा	1	14:01:29	धनु			गुरु			मिथु	21:40:31	1	पुनर्वसु
कृतिका	3	04:27:53	वृष			शुक्र			मेष	09:35:46	3	अश्विनी
कृतिका	4	09:23:09	वृष			शनि		अ	मीन	11:32:33	3	उ०भाद्रपद
उत्तराषाढ़ा	4	08:51:42	मक	व		राहु	व		कुंभ	14:25:18	3	शतभिषा
पुष्य	2	08:51:42	कर्क	व		केतु	व		सिंह	14:25:18	1	पू०फाल्गुनी
हस्त	4	22:59:41	कन्या	व		मु			कर्क	27:21:43	4	आश्लेषा

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

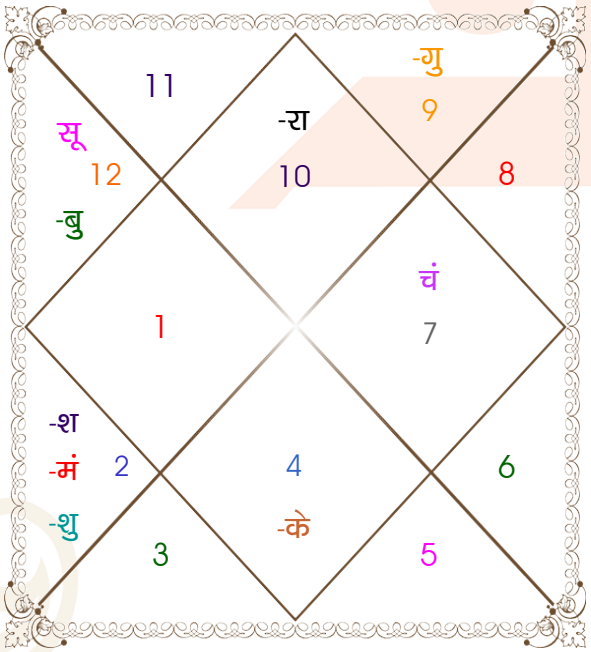

वर्ष लग्न कुंडली

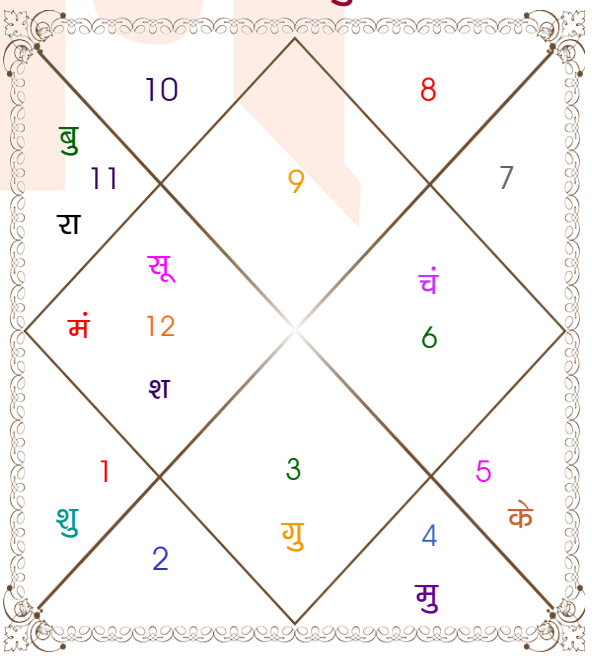

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

केतु - गुरु - राहु	
24/01/2026 14:05	
16/03/2026 17:19	
राहु	01/02/2026 06:10
गुरु	08/02/2026 01:48
शनि	16/02/2026 04:07
बुध	23/02/2026 09:58
केतु	26/02/2026 09:34
शुक्र	06/03/2026 22:06
सूर्य	09/03/2026 11:28
चंद्र	13/03/2026 17:44
मंगल	16/03/2026 17:19

केतु - शनि - शनि	
16/03/2026 17:19	
19/05/2026 19:38	
शनि	26/03/2026 20:53
बुध	04/04/2026 22:49
केतु	08/04/2026 16:33
शुक्र	19/04/2026 08:56
सूर्य	22/04/2026 13:51
चंद्र	27/04/2026 22:02
मंगल	01/05/2026 15:47
राहु	11/05/2026 06:31
गुरु	19/05/2026 19:38

केतु - शनि - बुध	
19/05/2026 19:38	
16/07/2026 04:01	
बुध	27/05/2026 22:37
केतु	31/05/2026 06:54
शुक्र	09/06/2026 20:18
सूर्य	12/06/2026 17:07
चंद्र	17/06/2026 11:49
मंगल	20/06/2026 20:07
राहु	29/06/2026 10:34
गुरु	07/07/2026 02:05
शनि	16/07/2026 04:01

केतु - शनि - केतु	
16/07/2026 04:01	
08/08/2026 18:46	
केतु	17/07/2026 13:04
शुक्र	21/07/2026 11:32
सूर्य	22/07/2026 15:52
चंद्र	24/07/2026 15:06
मंगल	26/07/2026 00:10
राहु	29/07/2026 13:10
गुरु	01/08/2026 16:44
शनि	05/08/2026 10:28
बुध	08/08/2026 18:46

केतु - शनि - शुक्र	
08/08/2026 18:46	
15/10/2026 06:02	
शुक्र	20/08/2026 00:38
सूर्य	23/08/2026 09:36
चंद्र	29/08/2026 00:33
मंगल	01/09/2026 23:00
राहु	12/09/2026 01:54
गुरु	21/09/2026 01:48
शनि	01/10/2026 18:11
बुध	11/10/2026 07:35
केतु	15/10/2026 06:02

केतु - शनि - सूर्य	
15/10/2026 06:02	
04/11/2026 11:49	
सूर्य	16/10/2026 06:19
चंद्र	17/10/2026 22:48
मंगल	19/10/2026 03:09
राहु	22/10/2026 04:01
गुरु	24/10/2026 20:47
शनि	28/10/2026 01:42
बुध	30/10/2026 22:31
केतु	01/11/2026 02:51
शुक्र	04/11/2026 11:49

केतु - शनि - चंद्र	
04/11/2026 11:49	
08/12/2026 05:27	
चंद्र	07/11/2026 07:17
मंगल	09/11/2026 06:31
राहु	14/11/2026 07:58
गुरु	18/11/2026 19:55
शनि	24/11/2026 04:06
बुध	28/11/2026 22:48
केतु	30/11/2026 22:02
शुक्र	06/12/2026 12:58
सूर्य	08/12/2026 05:27

केतु - शनि - मंगल	
08/12/2026 05:27	
31/12/2026 20:12	
मंगल	09/12/2026 14:31
राहु	13/12/2026 03:32
गुरु	16/12/2026 07:06
शनि	20/12/2026 00:50
बुध	23/12/2026 09:07
केतु	24/12/2026 18:11
शुक्र	28/12/2026 16:38
सूर्य	29/12/2026 20:58
चंद्र	31/12/2026 20:12

केतु - शनि - राहु	
31/12/2026 20:12	
02/03/2027 13:33	
राहु	09/01/2027 22:48
गुरु	18/01/2027 01:07
शनि	27/01/2027 15:52
बुध	05/02/2027 06:19
केतु	08/02/2027 19:20
शुक्र	18/02/2027 22:13
सूर्य	21/02/2027 23:06
चंद्र	27/02/2027 00:32
मंगल	02/03/2027 13:33

केतु - शनि - गुरु	
02/03/2027 13:33	
25/04/2027 12:58	
गुरु	09/03/2027 18:16
शनि	18/03/2027 07:23
बुध	25/03/2027 22:54
केतु	29/03/2027 02:28
शुक्र	07/04/2027 02:22
सूर्य	09/04/2027 19:08
चंद्र	14/04/2027 07:05
मंगल	17/04/2027 10:39
राहु	25/04/2027 12:58

केतु - बुध - बुध	
25/04/2027 12:58	
15/06/2027 20:28	
बुध	02/05/2027 19:26
केतु	05/05/2027 19:16
शुक्र	14/05/2027 08:31
सूर्य	16/05/2027 22:06
चंद्र	21/05/2027 04:43
मंगल	24/05/2027 04:33
राहु	31/05/2027 21:17
गुरु	07/06/2027 17:29
शनि	15/06/2027 20:28

केतु - बुध - केतु	
15/06/2027 20:28	
06/07/2027 23:34	
केतु	17/06/2027 02:03
शुक्र	20/06/2027 14:34
सूर्य	21/06/2027 15:55
चंद्र	23/06/2027 10:11
मंगल	24/06/2027 15:45
राहु	27/06/2027 19:49
गुरु	30/06/2027 15:26
शनि	03/07/2027 23:43
बुध	06/07/2027 23:34

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में कोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक कष्ट एवं परेशानी की आप अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में कमजोरी रहेगी तथा स्वाभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा फलतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में आप परेशानी की अनुभूति करेंगी।शत्रु पक्ष भी इस समय आपसे प्रबल रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी तथा ये प्रत्येक क्षेत्र में आपके लिए परेशानियां उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी अतः इससे पूर्ण सावधान रहें।देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगी।साथ ही मानसिक रूप से भी आपको परेशानी की अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर इसमें अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। नौकरी या राजनीति में आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे अतः इस समय इनकी उपेक्षा न करें। साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। अतः अपने कार्यो को बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें। इस समय आपको किसी मुकद्दमे या चुनाव आदि में भी पराजय का सामना करना पड़ सकता है।साथ ही दूर समीप की कोई यात्रा भी हो सकती है लकिन इससे कोई विशेष लाभ नहीं होगा। अतः ऐसे समय में आप धैर्य तथा शान्ति पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी तभी अशुभ फलों में न्यूनता होगी।